प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट

5 days "Advanced Technology in Forensic Science"

दिनांक **25-07-2022 से 29-07-2022**

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर।

राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक **25-07-2022** से **29-07-2022** तक **"Advanced Technology in Forensic Science"** विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम लेक्चर थियेटर में आयोजित किया गया। श्री अजय शर्मा, निदेशक, एफ0एस0एल0 राजस्थान जयपुर के निर्देशन में प्रबुद्व वक्ताओं को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से 22 प्रतिभागियों जिसमें 02 पुलिस उप अधीक्षक, 04 पुलिस निरीक्षक एवं 16 उप निरीक्षक पुलिस ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन 10:00-10:15 AM तक पंजीकरण एवं कोर्स निदेशक द्वारा कोर्स का परिचय करवाया गया। प्रथम एवं द्वितीय सत्र में श्री आर0एस0 शर्मा, (सेवानिवृत्त) अतिरिक्त निदेशक, एफ0एस0एल0 राजस्थान जयपुर ने फोरेंसिक विज्ञान, मूल सिद्धांत, भूमिका और कार्यक्षेत्र अपराध जांच का संग्रह, संरक्षण और अग्रेषण एवं पॉलीग्राफ, नार्को टेस्ट और ब्रेन मैपिंग के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया। तृतीय सत्र में श्री मुकेश शर्मा, एडी (भौतिकी), एफएसएल जयपुर ने फोरेंसिक भौतिकी: टूल मार्क्स, भवन निर्माण सामग्री, पेंट और रंगद्रव्य, इंजन नंबर और चेसिस नंबर की बहाली, दायरा अदृश्य विकिरण पर व्याख्यान दिया।

द्वितीय दिन के प्रथम सत्र में श्री राजेश चौधरी, अतिरिक्त निदेशक, एफ0एस0एल0 राजस्थान जयपुर ने फोरेंसिक सीरोलॉजी, डीएनए टेक्नोलॉजी: इट्स स्कोप इन क्राइम, जांच, नमूने लेने में सावधानियां और नवीनतम नए कानून पॉक्सो मामले पर व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में श्री राकेश अग्रवाल, एडी (क्यूडी)

एफएसएल, जयपुर ने प्रश्न किए गए दस्तावेजों की परीक्षा, लेखन का सिद्धांत, पहचान और तुलना, दायरा, सीमा और सावधानियां के बारे में बताया। तृतीय सत्र में श्री मनोज कुमार, साइबर विशेषज्ञ ने साइबर फोरेंसिक डिजिटल साक्ष्य की पहचान और संग्रह, सीडीआर विश्लेषण पर व्याख्यान दिया।

तृतीय दिन के प्रथम सत्र में श्री रक्षित कोठारी, पुलिस निरीक्षक, एससीआरबी, जयपुर ने अपराध जांच में उंगलियों के निशान एवं अवलोकन पर विस्तार से बताया। द्वितीय सत्र में श्री सत्येंद्र सिंह,(सेवानिवृत्त) एडी (बैलिस्टिक), एफएसएल, ने हथियारों और गोला-बारूद की फोरेंसिक जांच पर विस्तार पूर्वक बताया। तृतीय सत्र में मुकेश शर्मा, एडी (भौतिकी), एफएसएल, जयपुर ने वैज्ञानिक पूछताछ तकनीक के प्रकार, सिद्धांत, प्रक्रिया और उन्नति पर विस्तार से बताया।

चतुर्थ दिन के प्रथम सत्र में डॉ. दीपाली पाठक, चिकित्सा न्यायविद, एसएमएस अस्पताल, जयपुर ने मेडिको - विभिन्न प्रकार के घावों/चोटों के कानूनी पहलू और मौत, मौत कथित चिकित्सकीय लापरवाही से हुई-फोरेंसिक पहलू, पोस्टमार्टम परीक्षा का महत्व, कारण मृत्यु और मृत्यु के समय का निर्धारण, मृत्यु के कारण श्वासावरोध-फोरेंसिक पहलू पर विस्तार से चर्चा की। द्वितीय सत्र में डॉ गीता, ई. नारकोटिक, एफएसएल, जयपुर ने स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ: प्रकृति, पहचान, प्रकार (प्राकृतिक, अर्ध-सिंथेटिक, सिंथेटिक) पर विस्तार से बताया। तृतीय सत्र में श्री हरि सिंह, (फोटो डिवीजन) एफएसएल जयपुर ने क्राइम सीन फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी और इसका महत्व पर विस्तार से बताया।

पंचम दिन के प्रथम सत्र में श्री राजेश सिंह, एडी (बायो) एफएसएल जयपुर ने फोरेंसिक बायोलॉजी: इट्स स्कोप, रक्त, वीर्य और लार के फोरेंसिक सुराग, सुपरइम्पोजिशन ओडोन्टोलॉजी पर व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में श्री आर0एस0 शर्मा, (सेवानिवृत्त) अतिरिक्त निदेशक, एफ0एस0एल0 राजस्थान जयपुर ने अपराध स्थल का प्रबंधन, अपराध सुराग पहचान, अपराध स्थल का अनुकरण (व्यावहारिक व्यायाम) के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कोर्स के समापन में श्री नवज्योत गोगाई, महानिरीक्षक पुलिस एवं अतिरिक्त महानिदेशक , राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर ने कोर्स से सम्बन्धित चर्चा की एवं चर्चा के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। समापन सत्र के अन्त में धन्यवाद ज्ञापित किया गया। तत्पश्चात कोर्स विधिवत सम्पन्न हुआ।

हस्ताक्षर
कोर्स निदेशक